क्रम संख्या-171(क) हो अस्मित के नहीं है है। एक दिल है। इस पंजीवत संख्या-युवएव/डीवएनव-30/03 ं (लाइसेन्स दू पोस्ट विदाचंट प्रीपेमेन्ट) lates to

FREE CELL BOYE MAY DAIL PUR BURNE (#) अभि क्षेत्र महाराष्ट्रा महाराज्य कि है है है है। n an harfy convene (e) अमेरी देखि हों bother but her die (v)

clere is repel tiv for renti in marie (v).

अल्ला प्रकाशावल सरकार द्वारा प्रकाशित

............ असाधारण

देहरादून, मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2003 ई0 Pydia आश्विन 22, 1925 शक सम्वत्

Simulation for the or head head for the ^भ उत्तरांचल शासन भिक्ष १९ तम १५ (क) गोपन (मंत्रिपरिषद्) अनुभाग संख्या : 3/1/3/2003-सी०एवस० देहरादून, 14 अक्टूबर, 2003 was the process bline at a top

अधिसूचना ,

'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 166 के खण्ड (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके श्री राज्यपाल निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, अर्थात्— कार्य के रुक्ता के कार्याद्वित किलान के कार्यात कर कार्यात कर कार्यात कि कार्यात कि रूक्ता

ातका किए के विकास कि विकास कार्य (बंटवारा) नियमावली, 2003 के कि क्षिप्त के कि कि

- ार्थाता । (1) यह नियमावली उत्तरांचल कार्य (बंटवारा) नियमावली, 2003 कहलायेगी । विकास कार्य Them for playing in on the second particle to prove the property of the proper
 - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

Tell medicing

tringing is one; as hear, a term

to faith in theigh

- 2. (1) राज्य सरकार कां कार्य उत्तरांचल राचिवालय के विभागों या अनुभागों में, जैसा कि इस नियमावली के परिशिष्टों में उल्लिखित है अथवा राज्यपाल द्वारा इस हेतु समय-समय पर जारी सामान्य या विशेष आदेशों में उल्लिखित होगा, किया जायगा।
- (2) इस नियमावली के परिशिष्ट-2 में अनुभागों के कार्यों के विवरण में कार्यों के नामों का उल्लेख किया जायेगा जो सम्बन्धित अनुमाग में व्यवहृत होंगे तथा उन अधिनियमों, नियमों एवं नियमे-संग्रहों का विशेष रूप से उल्लेख किया जायेगा जो सम्बन्धित अनुभाग के प्रशासकीय नियन्त्रण में होंगे।
- (3) विभाग के प्रमुख सचिव अथवा सचिव का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह स्वयं परीक्षण करके उपनियम (2) में उल्लिखित विवरण-सामग्री अथवा यथास्थिति उपनियम (1) के अन्तर्गत जारी किये जाने वाले आदेशों के लिये विवरण सामग्री सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग को उपलब्ध करायेंगे तथा राचिवालय प्रशासन अनुभाग यथोचित स्तरीय आदेश प्राप्त करके उपनियम (2) में उल्लिखित परिशिष्टों अथवा रामय-समय पर यथापेक्षा उपनियम (1) के अन्तर्गत आदेश की अधिसूचना जारी करेंगे।
- ं (4) उप नियम (1) व (2) के अधीन उन्हें विनिर्दिष्ट रूप से बांटें गये या बांटा हुआ समझे गये विषयों के अतिरिक्त उत्तरांचल सविवालय के समस्त अनुभागों या विभागों को निम्नलिखित में से किसी

विधि के अधीन ज़हां तक से विषय उन्हें बांटे गये हैं और मुख्य सचिव के सामान्य निदेशों के अधीन रहते हुए, आदेश जारी करने की झाक्ति होगी :-

- क्षेत्र (क) तत्सम्य प्रवृत्त भारत रक्षा अधिनियम और नियम; (ख) आवश्यक सेवायें या आवश्यक पूर्ति बनाये रखने के लिये तत्समय प्रवृत्त कोई विधिः
- (ग) तत्समय प्रवृत्त आवश्यक वस्तु अधिनियमः
 - (घ) भूमि अर्जन से संबंधित तत्समय प्रवृत्त कोई विधि;
 - 🗽 (ङ) अनुमाग या विमाग को बांटे गये विषय से संबंधित किसी अपराध के लिये अभियोजन

की स्वीकृति। 3. राज्यपाल, मुख्य मंत्री की मंत्रणा से, एक मंत्री के प्रभार में एक या अधिक विभाग सौंप कर ्रही स्वीकृति।

4. सचिवालय के प्रत्येक विमाग में एक प्रमुख सचिव या सचिव होगा, जो उस विमाग का शासकीय से प्रतिषिद्ध नहीं करेगी। अध्यक्ष होगा, और उसके अधीनस्थ उतने अन्य अधिकारी और सेवक होंगे जितने राज्य सरकार अवधारित करे :

प्रतिबन्ध यह है कि-

- (क) एक ही प्रमुख सचिव या सचिव। के प्रभार में एक से अधिक विभाग रखे जा सकते हैं, TO THE PROPERTY AND A SERVE
- (ख) एक ही विभाग के काम का विभाजन दो या अधिक प्रमुख सचिवों या राचिवों के मध्य किया जा सकता है।

5. उत्तर प्रदेश पुनर्गंदन अधिनियम. 2000 की घारा 86 के अधीन उत्तरांचल में लागू उत्तर प्रदेश कार्य (बंटवारा) वियमावली, 1975 उत्तरांचल में लागू रहने के संदर्भ में तात्कालिक प्रभाव से एतद्द्वारा विखण्डित की जाती है, सिवाय उन विषयों के जो उसके अधीन सम्पादित किए गए हो अथवा किये जा

परन्तु ऐसे विखण्डन के होते हुए भी उक्त उत्तर प्रदेश कार्य (बंटवारा) नियमावली, 1975 के नियम 2 के अधीन बनाये गये परिशिष्ट-1 और परिशिष्ट-2, जब तक कि वे इस नियमावली के अधीन बनाए जाकर अधिराचना द्वारा पूर्णतः या आंशिक रूप से विखण्डित या संशोधित न किये जायें, प्रवृत्त रहेंगे मानो वे इस नियमावली के अधीन जारी किये गये हों, तथा पूर्णतः या आशिक रूप से विखण्डन या संशोधन की ऐसी अधिसूचना के पश्चात् वे, यथारिथति, स्वतः विखण्डित या संशोधित समझे जायेंगे। ्राज्ञा से. . हर्मा के के कि के प्राप्त के के कि के

हत्तर क्षेत्र को भी। को अपने का का का का का किस्ता है किसी इसें **डॉ० आर० एस० टोलिया,** 1 मार्ग के कि क्षा कि कि कि है है मुख्य सविव । कि विकास

संख्या : 3/1/3/2003-सीठएक्सठ " व्याप्त के क्षेत्रकात के किन्ना के किन्ना कि प्रतिलिपि अंगेजी रूपान्तर सहित निम्नांकित को सूचनार्थ प्रेषित:- 1561 कार्या है।

- - 2. निजी सचिव, मा0 गुख्यमंत्री जी। 👙 अ 😁 मजाप्र विकास विकास सामिता है अपिता है अपित
 - सगस्त मंत्रियों / राज्यमंत्रियों के निजी सचिव।
 - a or a man of a fair of his 4. रागस्त प्रमुख सविव/शविव/अपर सविव, उत्तरांचल शासन।
 - सचिवालय के समस्त अनुभाग।

सुरेन्द्र सिंह रावत. अपर राचिव।

supplies of the east of the east

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor of Uttaranchal is pleased to order the publication of the following English translation of notification No. 3/1/3/2003. C.X., dated October 14, 2003. 1. (1.24) * 0.1 (1.4) * (1.4)

Selbringgat out bus traditioned Dated Dehradun, October 14, 2003 and a recommendation of Line of Alechine (18 acc, 1975 shell

to yeur hotograph to ball agent to the second NOTIFICATION

of bonness and to be adjusted to CARL CLASS AND A LANGE OF STREET In exercise of the powers conferred under clause (2) and (3) of the Article 166 of the Constitution of India, the Governor of Uttaranchal is pleased to make the following Rules, namely :--

THE BUSINESS OF UTTARANCHAL (ALLOCATION) RULES, 2003

- ALIO 11. (1) These rules may be called the "Business of Uttaranchal (Allocation) Rules, 2003".
 - (2) They shall come into force at once.
- 2. (1) The business of the Government shall be transacted in the sections or departments of the Uttaranchal Secretariat as may be specified by general or special orders of Governor, issued from time to time, in that behalf.
- (2) In the appendix-2 of these Rules the number allocated to the sections, the names of the sections and the names of the work allocated to each section shall be mentioned. The names of the Acts, Rules, Regulations and Manuals being dealt with in each section shall be specially mentioned.
- (3) It shall be the responsibility of the Principal Secretary or Secretary of the department to send the material mentioned in sub-rule (1) and sub-rule (2), as the case may be, to the Secretariat Administration Department after personally examining such material and the Secretariat Administration Department shall obtain orders of the suitable level before issuing the notification mentioned in subrule (2) or order received by them under sub-rule (1) from time to time.
- (4) In addition to the subjects specifically allocated or deemed to be allocated to them under sub-rule (1) and sub-rule (2), all sections or departments of the Uttaranchal Secretariat shall have powers to issue orders under any of the following laws, in so far as the subject is allocated to them and subject to general directions of the Chief Secretary :--
 - (a) The Defence of India Act and rules for the time being in force;
 - (b) Any law for the time being in force for the maintenance of essential services or essential supplies:
 - (c) The Essential Commodities Act for the time being in force;
 - (d) Any law relating to land acquisition for the time being in force;
 - (e) Sanction for prosecution for any offence relating to the subject allocated to the section or department.
- 3. (1) The Governor shall, on the advice of the Chief Minister, allot among the Ministers, the business of the Government by assigning one or more departments to the charge of a Minister :

Provided that nothing in this rule shall prevent the assigning of one department to the charge of more than one Minister. 5

4. Each Department of the Secretariat shall consist of the Prinicpal Secretary or Secretary to the Government, who shall be the official head of that Department and of such other officers and servants subordinate to him as the State Government may determine :

Provided that --

- (a) more than one Department may be placed in charge of the same Principal Secretary or Secretary; and
- (b) the work of a Department may be divided between two or more Principal Secretaries

5. The Business of Uttar Pradesh (Allocation) Rules, 1975 shall be repealed, in so far as these are applicable to the State of Uttaranchal under section 86 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000 with immediate effect, except in respect of such cases, which have either been disposed of or are in the process of being disposed of under the said Rules:

Provided, however, that notwithstanding such repeal the Appendix-1 and the Appendix-2, made under Rule-2 of the aforesaid The Business of Uttar Pradesh (Allocation) Rules, 1975 shall remain in force till these Appendices are made under these Rules and repealed or amended fully or partly by notification of repeal or amendment, fully or partly, as the case may be, shall be deemed to have been automatically repealed or amended. Library and property and any or entitle coloring in the coloring of the coloring or and is, the Governor of Utlantaridad is pleased to make the less only bules, married

SOOS AH LUR CHURL THE IN JAHDMASIATTU FIO SZEMISUBY ÖFGER.

Proof, and the many takes of the avenue of the second of the property of the Dr. R. S. TOLIA, to the start of the primary that the record (N)

- PALLY The bush was or the Can property pages . les des paracreta di tale de la comi that have the PURCE and a second of the multipedent venture to the confliction with the place of the transfer applied stated

organization particles of the second second and the second of the second

(3) it stead by the comparing third from the decimal and the dependent of the dependent of signed that ment a principality and in subside (1) program of the reserve to the control of the Secretarian

Appell agherion that almost of or personally and the second secon

in all properties of the subjects provided the first of

to make (1) and the (1) of the (1) of the con-7.1 saying 10 of their risters. - 1 - 1 - and 1 - 111 to you, remove each on the need absence remail the constitution of

and a street in proceed the colors of the Chief etc.

the first and Malegar Latt (a)

and the second of the second s

le Stratik u for par equilipron or other section or double thread

3. If you have the sale of the

not make the bore to the terminal of the common and account of the common of the control of the colonial

Provided that hothland is the soft and are at

and the state of t or provide the letter of the first additional property of

a service in the company of the area or manifold administration of the extension